अम्मी दामाद के भाई से चुद गई

“बिग डिक सेक्स कहानी में पढ़ें कि सुबह को मामा से चुद कर अम्मी मेरी आपा का रिश्ता लेकर अपने किसी दूर के भाई के घर गयी. रास्ते में क्या हुआ और उनके घर जाकर क्या हुआ ? …”

Story By: आलम अलवर (aalamalwar)
Posted: Sunday, August 27th, 2023
Categories: कोई मिल गया
Online version: अम्मी दामाद के भाई से चुद गई

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

अम्मी दामाद के भाई से चुद गई

बिग डिक सेक्स कहानी में पढ़ें कि सुबह को मामा से चुद कर अम्मी मेरी आपा का रिश्ता लेकर अपने किसी दूर के भाई के घर गयी. रास्ते में क्या हुआ और उनके घर जाकर क्या हुआ ?

सभी लंड वालों और चूत वालियों को मेरा सलाम।
मैं आलम अलवर से
मेरी पिछली कहानी
मामा ने मेरी आपा को चोदा
में आपने पढ़ा कि कैसे मामा हाफिज ने अम्मी और बहन को रगड़ रगड़ के पेला.

अब आगे बिग डिक सेक्स कहानी :

रात की चुदाई से थक के सब नंगे ही सो गए।
सुबह अम्मी सबसे पहले उठी और अपनी गांड पर हाथ फ़ेरा।
तो उनके हाथ पर मेरा रस लगा जो मैंने रात को गिराया था।

उनको लगा कि यह माल मामा हाफिज का है।
अम्मी ने उसे हाथ से साफ किया और हाथ को चाट के साफ किया और बाथरूम में चली गयी अपनी चूत और गांड साफ करने !
फिर कपड़े पहन कर अम्मी मामा को उठाने आयी।

मामा अब भी नंगे सोये थे।
उनका लंड खड़ा था।

अम्मी ने उनके लंड पर चुम्मा किया तो मामा की नींद खुल गयी।
तो मामा ने अम्मी को अपने पास पटक दिया और उनकी कुर्ती में हाथ डाल दिया।

अम्मी ने मामा का लंड पकड़ लिया
मामा अम्मी के बूब्स से खेलने लगे।

अम्मी मामा के लंड को मुँह में लेकर लोलीपोप की तरह चूसने लगी।
मामा ने भी अम्मी की कुर्ती उतार दी और अम्मी के मस्त बूब्स को मुँह में लेकर चूसने लगे।

अब मामा अम्मी की सलवार खोलकर उनकी चूत को चाटने लगे।
अम्मी सिसकारियां लेने लगी।
मामा ने अपनी जीभ को पूरी घुसा दी चूत के अंदर और अम्मी का पानी निकल गया जिसको मामा मजे से पी गए।

अम्मी- साले भड़वे, ये क्या कर दिया, मुझे लंड चाहिए था। तूने जीभ से ही पानी निकाल लिया।
मामा- साली रंडी, चिंता मत कर अभी तेरी चूत फाड़ता हूँ। आ इसको तैयार कर!

अम्मी लंड को मुँह में लेकर फिर चूसने लगई।
मामा का लंड फिर से तैयार हो गया।

मामा- चल घोड़ी बन जा!
अम्मी घोड़ी बन गई।
मामा ने उनकी गांड में लंड डाल दिया और जोर जोर से पेलने लगा।

अम्मी- आहह हहह ओहह हह! आआई ईईया मेरे राजा … मेरे खसम … अब आगे की

गर्मी को बुझा दे … आग लगी हुई है।
मामा अपना लंड अम्मी की चूत पे रगड़ने लगा।

अम्मी- साले हरामी, भड़वे के जने, साले सुअर … अब तड़फा क्यों रहा है ? डाल दे जल्दी से और फाड़ दे मेरी चूत को !

मामा को गुस्सा आ गया, उसने अम्मी की दोनों टांगें कंधे पर रख कर एक जोर का झटका दिया।
लंड सीधा अम्मी की बच्चेदानी से टकराया।

अम्मी की चीख निकल गई, आंखों से आंसू बहने लगे- आईई य्य्य्या आई ईईओ हये हये … मार दिया जालिम ने … फाड़ दी मेरी चूत … ओह हह हये होइ य्य्ये मर गयी रे फट गई रे !
मामा अम्मी को रोती देखकर रुक गया और आराम से लंड आगे पीछे करने लगा।

अब अम्मी का भी दर्द कम हो गया तो वो भी नीचे से उछल उछल के मामा का साथ देने लगी।
अम्मी एक बार झड़ चुकी थी।

अब मामा ने अपनी स्पीड बढ़ा दी।
अम्मी भी अब जोश में आ गई और नीचे से उछलने लगी।
पूरा कमरा घप्प घप की आवाज़ से गूँजने लगा।

अब अम्मी का शरीर अकड़ने लगा तो अम्मी ने मामा को कस के पकड़ लिया- आआई ईईया ओ मैं गईई ईईई … भाई ईईईई जान … एआआ आआह ओह ओहो हो आहे मैं गयी भाई जान !

और अम्मी ने अपना रस दिया।

मामा भी 2-4 धक्कों के बाद झड़ गया, कुत्ते की तरह हाँफने लगा।
वह अम्मी के ऊपर गिर गया।

दोनों की सांसें धौकनी की तरह चल रही थी।
थोड़ी देर लेटने के बाद अम्मी ने उठकर मामा के लंड पे लगा सारा रस चाट लिया।

मामा ने भी अम्मी की चूत चाट के साफ कर दी।

फिर मामा नहाने चला गया.
अम्मी चाय बना के लाई.
मामा चाय पीकर अम्मी को कुछ रुपये देकर उनको लिप किस करके दुकान चला गया।

अम्मी ने सबसे पहले अमीरा को उठाया.
अमीरा- अम्मी, मामा चले गए क्या ?
अम्मी- हां बेटी, चले गए ! बेटी एक बात कहूँ मानो तो ?
अमीरा- बोलो अम्मी, क्या बात है ?

अम्मी- देख बेटा मेरे दूर के भाई के यहां से रिश्ता आया है। तुम कहो तो बात पक्की कर आऊं तेरी ?
अमीरा- साली रांड, तू मामा से अकेले चुदवाना चाहती है … इसलिए ये सब कर रही है ना ?

अम्मी- अरे नहीं बेटी, अब मैं कितना और जीऊँगी. मुझे भी अपने बच्चों की शादी करनी है। तू समझने की कोशिश कर बेटी … मामा का लंड तो तू शादी के बाद भी ले सकती है।
अमीरा रोती हुई- ठीक है अम्मी, आपकी बात मंजूर है. पर हां, शादी के बाद भी मैं मामा

और मोहल्ले के मेरे सभी दोस्तों से चुदवाती रहूंगी. आप मुझे कभी मना नहीं करोगी!
अम्मी- ठीक है बेटी … पर तेरे होने वाले शौहर रमीज़ का लंड बहुत बड़ा है. उसका लेने के बाद किसी और का लंड लेने की जरूरत ही नहीं पड़ेगी।

अम्मी ने सुबह सबको अपने पास बुलाया- सुनो, मैं अमीरा का रिश्ता पक्का करने जा रही हूं. तुम सब घर पर रहना और कोई तकलीफ हो तो मामा को बोलना. मैं शाम तक या सुबह तक लौट आऊंगी. आलम को साथ लेकर जा रही हूँ।

हम दोनों अच्छे कपडे पहन कर निकल पड़े.

बस अड्डे पर पहुंच कर अम्मी और मैं बस में घुस गए. बस पूरी खचाखच भरी हुई थी, जैसे तैसे करके हम बस में घुस गए.

एक लड़का अम्मी से सटके पीछे खड़ा हो गया और उसका लंड अम्मी की गांड में फंसने लगा.
अम्मी लड़के को देख कर मुस्कुराने लगी।

लड़का अम्मी की सहमति मिलते ही अम्मी की गांड में लंड घिसने लगा और चुनरी के नीचे से अम्मी की कुर्ती में हाथ डाल के बूब्स मसलने लगा.

अम्मी ने भी सबसे छुपाकर अपना हाथ उसके लंड पे रख दिया और मसलने लगी.
अब लड़का अपना हाथ अम्मी के घाघरे में डाल कर चूत मसलने लगा.

अम्मी मजे से उसकी उंगली को आगे पीछे करने लगी.
थोड़ी देर में अम्मी का रस निकल गया।
अम्मी ने लड़के का हाथ बाहर निकाल लिया.

थोड़ी देर में गांव आ गया.
हम उतर गए, वह लड़का भी उतर गया.

अम्मी उस लड़के से पूछने लगी- क्या नाम है तेरा और कौन सा गांव है तेरा ?
लड़का- यही गांव है मेरा ! मेरा नाम कलीम है.

अम्मी- अब्दुल भाई को जानते हो क्या ? उनका घर कहाँ पर है ?
लड़का- हां, वो मेरे अब्बू है. बोलो क्या काम था ?

अम्मी यह सुनकर डर गई और लड़के को लेकर अकेले में कहने लगी- बस में जो कुछ हुआ, वो घर पर मत बताना। हम तेरे भाई रमीज़ के लिए अपनी बेटी का रिश्ता लाये हैं।
लड़का- नहीं बताऊंगा. पर आज आपको देनी पड़ेगी.
अम्मी- ठीक है, सिर्फ एक बार लेने दूँगी. उसके बाद कभी परेशान नहीं करोगे.
लड़का- ठीक है, मुझे मंजूर है, चलो अब घर चलते हैं।

घर पर सब हमारा अच्छे से स्वागत करते हैं।
अम्मी अमीरा का फोटो सबको दिखाती है और बात पक्की हो जाती है.

रमीज़ से अम्मी ने कहा- देखो जमाई जी, शादी के बाद 5 साल तक आपको हमारे साथ रहना होगा. उसके बाद ही आपको अपनी बेटी ले जाने दूँगी. बोलो मंजूर है ?
गगन- मुझे सब मंजूर है. आपकी बेटी बहुत खूबसूरत है आपकी तरह !

सब बात पक्की होने के बाद मुझे और अम्मी को मेहमान वाले कमरे में भेज दिया।

रात को खाने के लिए वही लड़का कलीम हमें बुलाने आया।
उसने अम्मी के बूब्स मसल के कहा- आओ खाना खा लो. और हां, अब्बू को बोलना कि आप लोगों के पास मैं सो जाऊं।

अम्मी ने सिर हिलाकर हां कहा।

खाना खाकर अम्मी ने अब्दुल मामा से कहा- आप कलीम को भेज देना, आलम के साथ खेलते खेलते वहीं सो जाएगा.
अब्दुल मामा- ठीक है, आपा जाओ. मैं कलीम को भेजता हूँ.

थोड़ी देर बाद कलीम हमारे कमरे में आ गया और अम्मी से चिपकने लगा।

अम्मी उसको डांटते हुए बोली- अभी नहीं, पहले आलम को सोने दो, उसके बाद!
मुझे पता चल चुका था कि अम्मी कलीम से चुदने वाली है इसलिए मैं जल्दी से सोने का नाटक करने लगा।

अम्मी मुझे देखने आई, मुझे आवाज लगाई।
पर मैंने कोई जवाब नहीं दिया तो अम्मी को लगा कि मैं सो गया हूं।

फिर वह कलीम के पास गई, जल्दी से सलवार खोलकर बोली- आओ, जल्दी से कर लो. फिर सो जाओ।
कलीम- साली रंडी, मुझे पानी नहीं निकलना, मुझे पूरा मजा लेना है। इधर आ रांड और कपड़े उतार मेरे!

अम्मी मन ही मन में- इससे क्या मजा मिलेगा मुझे? तो मजबूरी में करना पड़ेगा।

अम्मी ने उसका कुर्ता उतारा।
और जैसे ही अम्मी ने उसकी पेन्ट उतारी, अम्मी की आंखें फटी की फटी रह गई।

कलीम- क्या हुआ जान? क्या देख रही हो?
अम्मी- ये क्या है? इतना बड़ा कैसे? यह तेरा लंड इतना बड़ा है किसी गधे के जितना!

कलीम- मेरे घर में सबके लंड बड़े ही हैं। भाई का तो इससे भी बड़ा है।
अम्मी- इतना बड़ा लंड में नहीं ले सकती।

कलीम ने अम्मी की कुर्ती उतार दी और वह अम्मी की चूत चाटने लगा।
अम्मी को भी मजा आने लगा, वे भी लंड को सहलाने लगी।

अब अम्मी ने कलीम का लंड मुँह में लेकर चूसने की कोशिश की तो लंड आधा ही मुँह में आया।
अम्मी की आंखों से आंसू आने लगे और सांस अटकने लगी। अम्मी के मुंह से गूँ गूँ की आवाज़ आने लगी.

अब कलीम ने अम्मी को बिस्तर पर पटका और अपना लंड अम्मी की चूत में डालकर हिलाने लगा।

अम्मी- आह हाय … डाल दिया क्या पूरा ?
कलीम हंसता हुआ- साली, अभी तो सिर्फ सुपारा गया है। लंड तो पूरा बाहर है।

अम्मी ने घबरा कर उसका लंड निकाल दिया और उसको लेटने को कहा.
तब अम्मी उसके लंड पर बैठी और आराम आराम से आगे पीछे करने लगी।

कलीम- रांड, पूरा ले ले … मजा नहीं आ रहा है।
अम्मी- साले भड़वे, मैं औरत हूँ, कोई गधी नहीं जो यह काला लंड पूरा ले लूं ! साले हरामी, मुझे मरना नहीं है। इसे पूरा लिया तो चूत का कबाड़ा हो जाएगा।

कलीम को गुस्सा आ गया, उसने अम्मी को बिस्तर पर पटका और टांगें पकड़ कर कंधे पर रख ली।

अम्मी गिड़गिड़ाने लगी पर उस हवस के पुजारी को कुछ नहीं दिख रहा था चूत के सिवा !
उसने अपने लंड को अम्मी की चूत पे रख कर एक जोर का झटका मार दिया।

अम्मी रोने चीखने लगी पर उस हवसी को कोई फर्क नहीं पड़ा।

अम्मी- आआई ईईया ऊऊआ ईईई आय हये … मार दिया … फाड़ दी मेरी चूत … आआ ईई ईया हय मेरी माँ ! कोई बचाओ मुझे … ये मार डालेगा मुझे … आआआ आआई ईई हाई ईईई ईया !
कलीम हसंते हुए- साली रांड, चिल्ला जितना चिल्ला सकती है उतना … यहां से आवाज़ बाहर नहीं जाने वाली है।

अम्मी झड़ गई, उसके रस से चूत गीली होने लगी।
अब अम्मी को आराम मिला।

अम्मी- साले कुत्ते, मार दिया तूने तो … फाड़ दी मेरी चूत … अब तो डाल दिया ना पूरा ?
कलीम- हा हा हा … अभी आधा गया है।

अम्मी- बेटे, मैं तेरे हाथ जोड़ती हूँ, तेरे पैर पड़ती हूँ. मुझे छोड़ दे, मेरी चूत में दर्द हो रहा है।
लेकिन कलीम ने एक नहीं सुनी … उसने अपनी पूरी ताकत लगा कर एक और झटका मारा।

अम्मी झटके के साथ ही बेहोश सी हो गई।
पर वह हवसी अम्मी को ताबड़तोड़ चोदे जा रहा था।

थोड़ी देर में अम्मी को होश आया, अम्मी रोने, चीखने लगी।
अम्मी ने उसको हटाने की कोशिश की पर उसके आगे अम्मी की एक नहीं चली.

तब अम्मी बोली- कलीम, मुझे छोड़ दे. मेरी बेटी आएगी तो उसको चोद लेना. मैं हाथ जोड़ती हूँ … तेरे से रहम की भीख माँगती हूँ।
कलीम- अब डर मत, पूरा चला गया है। अब तो बस मेरा पानी निकाल दे, फिर छोड़ दूंगा।

अम्मी- अबे गधे के बच्चे … मार मार के चूत का कबाड़ा कर दिया है। अब जल्दी जल्दी अपना काम कर और मुझे सोने दे।

अब कलीम अपनी स्पीड से अम्मी को चोदने लगा।
अम्मी का दर्द भी खत्म हो गया, वे भी नीचे से उछल उछल के लंड को निगलने की कोशिश कर रही थी।

कलीम- साली कुतिया, अब तो मजे से चुद रही है। कुछ देर पहले तो खूब नखरे दिखा रही थी।
अम्मी- साले हवसी, अब चूत ढीली पड़ गयी है। अब मुँह बंद कर और स्पीड से चोद!

कलीम ने अपनी स्पीड बढ़ा दी।
अम्मी आहें भरने लगी.
सिसकारियों से पूरा कमरा गूँज उठा।

अम्मी का शरीर अकड़ने लगा- आआआ आआई ईई दईया आह हाय … और जोर से चोद … फाड़ दे मेरी चूत को … दम लगा के चोद! मेरा होने वाला है! आईई ईओ मैं गईई ईईई कलीम ईईई!

अब अम्मी ने कलीम को जकड़ लिया अपनी बाहों में और अपने नाखून गड़ाने लगी उसकी पीठ पर।
अम्मी एक जोर की चीख के साथ झड़ गई।

कलीम भी उसके साथ साथ झड़ गया।
फिर वह अपना लंड साफ करवा के चला गया।

अम्मी ने अपनी चूत को देखी तो अम्मी की चूत एक छोटी सी गुफा जैसी लगने लगी।
चूत खून से लाल भी हो गई थी।

अम्मी अकेले में बड़बड़ाती हुई- हाय फाड़ दी मेरी चूत … पर साले ने जो मजा दिया, वो आज तक किसी ने नहीं दिया।
अब अम्मी कपड़े पहन के सो गई।

सुबह चाय नाश्ता करके हमने सबसे विदा ली और हम वापिस घर आ गए।

बिग डिक सेक्स कहानी आपको कैसी लगी ? मुझे मेल और कमेंट्स में अपनी राय लिखें.

कमेंट्स में बताएं.
लेखक के आग्रह पर इमेल आई डी नहीं दी जा रही है.

इससे आगे की कहानी : अम्मी ने भाई बहन का निकाह करवा दिया

Other stories you may be interested in

हवेली का चौकीदार- 2

देसी चूत चुदाई लाइव देखी मैंने अपने गाँव की हवेली के पिछवाड़े में जहां हमारा चौकीदार पड़ोस की एक जवान भाभी की चूत मार रहा था. आवाजें सुन कर मैं वहां पहुँच गयी थी. कहानी के पहले भाग चौकीदार ने […]
Full Story >>>

हवेली का चौकीदार- 1

हस्बैंड एंड वाइफ सेक्स कहानी में मैं अपने गाँव की हवेली के आंगन में अपने पति से चुदाई करवा रही थी. खुले आसमान के नीचे मैं नंगी चुद रही थी कि मुझे छत पर चौकीदार दिखाई दिया. सभी पाठक गणों […]
Full Story >>>

बहन के ससुर से चुद गई- 2

हॉट फोरप्ले सेक्स कहानी मेरी बहन के ससुर और मेरे बीच की है. वे बहन की शादी के वक्त ही मुझे घूरने लगे थे. उनको देखकर मेरी चूत में भी कुछ कुछ होने लगा था. मैंने उनसे चुदने का मना […]
Full Story >>>

गर्लफ्रेंड की सहेली की चूत की खुजली

वर्जिन चूत गर्ल सेक्स का मजा मुझे मेरे पड़ोस की एक लड़की ने दिया. वह एकदम कुंवारी थी. हालांकि उसकी सहेली मेरी गर्लफ्रेंड थी, फिर भी वह वासना वश मुझसे चुद गयी. दोस्तो, मेरा नाम राजू है और मैं महाराष्ट्र […]
Full Story >>>

अम्मी ने भाई बहन का निकाह करवा दिया

फॅमिली ग्रुप सेक्स कहानी में मेरी अम्मी ने मेरा निकाह मेरी बहन से करवा दिया. वह अभी तक कुंवारी थी. फिर मुझे उसके साथ कमरे में चुदाई के लिए भेज दिया. मेरी पिछली कहानी अम्मी दामाद के भाई से चुद […]
Full Story >>>